राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का पच्चीसवां दीक्षांत समारोह

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने विनम्रता के अभाव पर जताई गहरी चिंता

संवाद में विनम्रता के लिए गम्भीर हो विश्वविद्यालय

– राज्यपाल

संभाषण कला भी सिखाई जायेगी राज्य विश्वविद्यालयों में

जयपुर, 23 दिसम्बर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि आपसी बातचीत व सम्भाषण में विनम्रता का अभाव आज तमाम समस्याओं को जन्म देने वाला कारक बन रहा है। राजनीति से लेकर सामान्य व्यवहार में, भाषा में और संवाद में गिरावट आज चिन्ता का विषय बन गई है। विश्वविद्यालय इस दायित्व को निभाने के लिए आगे आएं। विश्वविद्यालय के कुलपति, एकेडमिक काउंसिल, सिंडीकेट या बोम भी ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को चिन्हित करें और उनके समाधान के लिए क्या रास्ते अपनाये जाने चाहिएं, उन्हें समाज के समक्ष प्रस्तुत करें। राज्यपाल ने कहा कि यह छोटी दिखने वाली परन्तु गम्भीर बनती जा रही सामाजिक बुराई है।

राज्यपाल श्री सिंह शनिवार को उदयपुर में मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पच्चीसवें दीक्षांत समारोह को सम्बोन्धित कर रहे थे।

श्री सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों में विभिन्न परम्परागत विषयों के विभाग है। वहाँ अध्ययन, अध्यापन का कार्य होता है, परन्तु विश्वविद्यालयों का दायित्व वहीं समाप्त नहीं हो जाता है। उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़कर काम करना होगा। राष्ट्रीय, प्रान्तीय और क्षेत्रीय स्तर के विभिन्न सामाजिक मुद्दो पर भी उन्हें पैनी निगाह रखनी होगी।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि आत्मविश्वासपूर्ण, स्वच्छ, संयमित एवं विनम्र सम्भाषणकला हमारे नवयुवकों में, छात्र–छात्राओं में विकसित हो, इस पर विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम में अनिवार्य अतिरिक्त विषय के रूप में स्थान देने पर विचार करना चाहिए। अर्थपूर्ण, गम्भीर, संयमित एवं विनम्र सम्भाषण कला (कम्यूनिकेशन स्किल) से जहाँ समाज मे समरसता, सहिष्णुता का प्रसार होगा, वहीं प्रभावी सम्प्रेषणकला नौजवानों के लिए रोजगार के सुअवसर भी उपलब्ध कराएगी। श्री सिंह ने कहा कि सरकारी सहित निजी क्षेत्रों मे रोजगार हेतु होने वाले साक्षात्कार में कम्यूनिकेशन स्किल का विशेष वेटेज होता है। उन्होंने इच्छा जाहिर की कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में रोल मॉडल की भूमिका निभा

–

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल